



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44] नई दिल्ली, गुरुवार, मार्च 13, 1992/फाल्गुन 23, 1913

No. 44] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 13, 1992/PHALGUNA 23, 1913

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संक्षेप वा वार्ता हुई विभिन्न विषयों पर वह असम लंबाखंड के रूप में
रखा जा रहा

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विधिव्यापी संवादान्तर

(प्रायात्र व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 210 अर्टिफिशियल (पोएट) / 90-93

दहां दिल्ली, 13 मार्च, 1992

विषय:—वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन वेन (येत 45,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत अवाहन प्राप्त विषयविधियां के लिए दृष्टिशक्ति उत्सर्जन और भारत के प्रत्यनीं पर उत्सर्जन के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग जारी।

फाइल में ग्राइसोमा/23(89)/90-93:—वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन वेन (येत 45,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत अवाहन विषयविधियां के लिए दृष्टिशक्ति उत्सर्जन और भारत के प्रत्यनीं पर उत्सर्जन के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग जारी किया जाता है।

डॉ. शारदा, सेहता, गुरुव नियंत्रण, प्रायात्र-नियंत्रण

विधिव्यापी संवादान्तर की सार्वजनिक सूचना सं. 280 प्राइटीसी (पोएट) / 90-93 दिल्ली 13-3-92 का परिसिद्ध वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन वेन (येत 45,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत अवाहन लाल मेहरु विषयविधियां के लिए दृष्टिशक्ति उत्सर्जन और भारत के प्रत्यनीं पर उत्सर्जन के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग जारी।

खण्ड-1—सामान्य जारी

1(1) वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन वेन की जापानी अनुदान सहायता उत्सर्जन के जापान के लिए और उसके भारतीय प्रत्यनीं पर परिवहन के लिए सेवाओं को की जाने वाला अवाहन के लिए विधेय किया जाता है।

1(2) जापान के नाम में अवाहन लाइसेंस कुल मिलियर 49.5 मिलियन वेन लाल बीमा भाषा भूम्य से प्रधिक के लिए जारा जारी किए जाने चाहिए और उन पर एक शोर्विक 1991-92 के लिए 45 मिलियन वेन की जापानी अनुदान सहायता होमा चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रथम के लिए लाइसेंस कोड एस "जे एन" मोड। परन्तु सामान्य जुले लाइसेंस के अंतर्गत बनाने वाली मर्दों के लिए कोई जापात्र लाइसेंस प्रयोगित नहीं है।

1 (3) विदेशी मुद्रा के तिमां भां परेका का अनुसार यादों या इन सेव के मद्दे नहीं दा जावेगा। भारतीय भविकर्ता के कारीगरी के प्रति कोई भां धूपानान लारीदीय अधिकर्ता भी भारतीय रुपये में दृष्टि नहीं चाहिए। नेकन ऐसे भारतीय लाइसेंस मूल्य से ही भारतीय और लाइसेंस पर ही प्रगति किए जाएंगे।

1(4) अपेक्षित और प्राप्ति होने वाले के अनुनाद अपार्टमेंट की जाए।

1(5) 'ग्रामीण आइसेंग नामक वीमा भारत आधिकार परे जारी रखिया जाएगा जो कि 31-05-1992 तक वैध रहेगा।

1 (6) गविवा में, नकद आधार पर अर्थात् बैच आप इन्हीं दोनों पर्यायों को आपनो नियमों द्वारा प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि वे आपने प्रभुत्व का अधिकार अपने लाभार्थी को प्रसन्न करने पर भवित्वात् अपने लाभार्थी को अवधिकार के लिये वे इस प्रकार अवश्या होना चाहिए।

“**महाराजा** 15.८.१९९१, राज्य पुर्ण की जानी है।”

1(7) भविता का मन्त्र लाया जार भाइंग का जहाज पर्यन्त। तिने शूलक मल्द लगाया था तो वेन में दर्शनीय जाना जाहिन् (येन भा गिर को छाटाया जाना चाहिए) और भारतीय अस्तित्व का सालान भवित्व को हातों लामिन रखी किया जाना जाहिन्। अन्य किसामुद्दा में डेंके का मल्द अस्तित्व की परिमिति में अभिन्नता नहीं होता याहिन्। अद्वाज पर्यन्त तिने शूलक लाया और भाइंग धर्मराशि अन्य-अन्य प्रवीर्द्धन की जांच पर्यन्त डेंके में पह जाव स्वातंत्र्य बर दर्ती चाहिन् कि याहे का खर्ची आवं विक आधार पर देव होता या ऐक में लिंगिण्ठ किया रह याहे भा यर्ची दास विक खर्ची के प्रतिरिद्ध। देव शरणि होगी।

1(8) क्रम संविधा आपाती फैस में केवा जापातों रातिरुपों र जापातों रातिरुपों बोग नियवित आपाती वैष्ण व्यक्तियों के गाय क आपाती चाहिए। एक प्रगाण पत्र (इंग्रियों में) जिनमें संग्रह की पालन वर्णित गई हों ग्रलेक संविधा के माध्य जापातों जाती चाहिए।

खण्ड-२-पंचम ट्रेनों में निम्नलिखित एवं विशेष रूप से मण्डित होनी चाहिए।

2(1) 1991-92 के बिंदु 45 मिलियन देश की अनुदान सहायता से संबंध इस संविदा की अवधि 09-12-1991 को भारत और जापान की सरकार के बीच द्वारा समझौते के अनुसार 90 के बीच इह दोनों सरकारें ने अनुदान के अवधि 10 दिसंबर 1991 को घोषित किया है।

2(2) विदेश समरकों को समर्पित तो "संतान के लिए प्रधिकार पत्र" (ए/पा) के माध्यम से किया जाएगा जो 1991-92 के लिए जापानी संतुष्टि सहायता के अध्येता बैंक शाक इशिया टांकिवों के नाम से ज्ञात है। एवं लेखांक परक्षा नियंत्रक, दिल्ली नवायन, आर्थिक कारों प्रियानंद उपर्युक्त आयोग गवर्नर, नवां तक (नोविंग) जापान, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

- 2(3) जापान, संग्रह ऐमे युवाओं और दूसरी ऐमों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत हैं जो एक और यात्रा संग्रह द्वारा और वृत्तियों और जापानी संस्कृति का विवरण हो।

(4) जापानी संभवक भारतीय दूतावाय टोकियो के नाम किया विमान करने पाने लक्षण व्यवस्था करने वे लिए गहराय हो गए हैं और उन उद्देश्य से वह जापिन माल वाले नियंत्रण के कार्यक्रम के बारे में भारतीय दूतावाय टोकियो की सुविधा करना रहेगा और कर्मसंकलन छोड़ते पहले जपेनियों ने लक्षण की प्रधिकृतता भारतीय दूतावाय द्वारा देना लालिक मानुनित व्यवस्था को जा सके। अपनाव अपना व्यवस्था नहीं बताएं तो नेटिस की इस चर्चित बोकम किया जा बढ़ता है। अपनाव संभवक प्रत्येक पोतावदान के भायातकर्ता को केवल बंदर भायातकर्ता द्वारा जीवित की संख्या देने के लिए भी महसूस होना चाही उसकी एक एवं जापनीय तात्पार्य टोकियो की देखी जाएगी।

प्रण-३-भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुदान

३(१) जैसे ही आदेशों को अनिवार्य है तिनि जाने हैं, यादगोंमध्यांते को दोनों पार्टियों द्वारा विविवत हस्ताक्षरित रेके को पात्र प्रतिर्दिशी या जापल मानती हैं। याताम्य आपातक द्वारा दिए गए कथ आदेश के गात्र आपाता संस्करण द्वारा लिखित सर्वे में प्रतिरक्षण आदेश जो नाम प्रतिर्दिशी गढ़ी गयी समूह प्रकार से पूर्ण फॉलो प्राप्ति के लिए अध्यवैष १ के पालन में "एवं" जारी करा के आपेक्षन एवं दो शालीयां सहृदय अद्य रायित (जापान) अधिकार कार्य प्रियों नित जारीता रहें तथा वहक नहीं दाना की भेजता चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया गतिवार्ता की विधि धर्म या उमर कीमत के आपातक प्राप्तीयों में उत्तम सम्भविता निश्चिह्न के लिए भी लागू होती।

3 (2) वित्त वर्षात्मक (अर्थिक कार्य विधान), जापान अधिकार, 1991-92 के लिए 45 अधिकार येत का जापानी अधिकार गठनकार के अधीन विनाशन देते के लिए नविकार योगी वां प्रतिवार्ता जापान समाज की अधिकार के लिए योजिता और दृष्टि के साथ साध उपर्याका (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एकान्क मैट नियो व विधायकासा नियन्त्रक और मान्यता के दृष्टावास, टांकियों को भी नेता जापान।

3(3) जापान सरकार ने रेका प्रत्यादेश प्राप्ति करने के लिए याद वित्त वंशान्वय आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ल्लाक जापान अनुसार उसकी युक्तियां महाविद्या लेखावाले को एकाधिक विवरण, सार्थिक कार्य विभाग, वित्त-वंशान्वय, एक्टिव आर्थिक भवन 5वां गल की विधि जनरल, नई दिल्ली 110001 को देगा जो कि जापान भवन रक्त की भूमिका करने के लिए वैक शाक शैक्या टोकियो का प्रत्यावर्त-3 के पासमार १८ के "जापान प्राविकार वन" (१/पी) जारी बोनो प्राविकार वन (१/पी) के प्रतियोगी साथ सरकार का दूतावास टोकियो आर्थिक सारन में अपार्टमेंट के वैक और वित्त वंशान्वय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुपाय की जेजा जाएगी।

3 (4) भारतान के लिए प्राथिकार पत्र (एवी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया ट्रोलियो जापान समार, भारत का राजदूतावाग ट्रोलियो भारत में जायातक के बैंक और सहायता सेवा प्रोद्धा लियन्प्रक एवं सुचना देने लगा, इस प्राप्ति को गुणना के भवित्वक रूप अवधारण कराया।

3(5) पोनलदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकों के साध्यम से ए/पी में उत्तितित दस्तावेज बैंक शास्त्र इंडिया, ट्रांसियो को प्रस्तुत करेगा यदि दस्तावेज मट्टी पाण गण शो बैंक शास्त्र इंडिया, ट्रांसियो दस्तावेजों में उत्तितित दस्तावेज जापानी संभरक को अपने बैंकों के साध्यम से रिट्रैट करेगा।

रुपरेखा - १ - - साधारण निखार करने के लिए उत्तरदायित्व

4(1) मूल परामर्शमय पांच परिचलन अनुबंधों द्वारा प्राप्त इंडिया ट्रेडिंग बोर्ड भारत में आयातक के स्वर्णित पंच को भेजे जाते हैं, कि भारतीय स्टेट बैंक द्वारा भ्रम्यम-1 में (प) पर यात्रा नहीं निभात किसी गण्डीयकृत बैंक की एक जाता है तो गंभीर। प्रायिकता से परामर्श अहाजगानी रखते जैसे इसे दूर दूर प्राप्त की गुणवत्ता उपलब्ध करती है कि आपनी संभवता को बढ़ावा दें तो भुगतान की अवकूप साधे की धनरक्षण के योग्यता आपना उत्तम साधनों में जॉन देने योग्य है। इस के प्रत्यावर महिने मुद्रा अदायात्री वी सारिंग ग्राहक संशरक को भरपूर कर दिया है और उस प्रभावित पर जातानी संशरक को वैक भरा दीर्घा, दृष्टियों द्वारा भुगतान की निधि से वाप्सीक रूपया तपाक करने की निधि नक्क की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और एष अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से लिया जा सकता है।

कराकर बदाज मार्यजनिक गूचना में, 31-मार्च ई मी (पी एन)/83 दिनांक 20-8-83 और 35-आई ई मी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-83 को अन्ती के अनुगाम गणकार्य निवेद में जमा कर दिया गया है। अन्त दोनों दिनों अर्थात् दिवं ५५ दिनों मध्यमें को पृथग्नन होना चाहा है और जिस दिन गणकार्य लेवे में आया दिया जाता है, देव है, इवां गार्व, जिन्हें सूचना में, 103-एई ई मी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और गणकिक मूचना में, 230-एई ई मी (पी एन)/86-89, दिनांक 20-7-87 द्वारा मणिक सम्बन्धित सूचना में, 71-आई ई मी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 द्वारा किए जाने वाले गणकों में से निकटतम साये में दिया जाएगा। विदेशी संभवक की दिन गणकों ने भग्नतान के गमनुपयोग यादी की गणना करने के लिए प्राप्ति की जाती थी, जिसमें यादी की दर भग्नतान की तापीक को लगू प्रिसिपिय की थी, प्रिसिपिय दर होमी जो मार्यजनिक गूचना में, ९४-एई ई मी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76, द्वारा गार्वात्मिक सूचना में, 113-एई ई मी (पी एन)/86-91, दिनांक 6-4-89 में विदेशी नर्सों के अनुपात लिपिबद्ध की गई हो जो मूल्य नियंत्रक आगाम तिर्ति की गार्वात्मिक सूचनाओं के भाग्यान से या भाग्यानीय शिर्षक तैर के दारा विदेशी लिपिबद्ध परिणामों के गणना में लगाकर हारा गमन-गमन पर लिपिन को गई थी। इस संभव में अंतर बनाये जाने वाले दर के संबंध में जब भी कोई परिवर्तन अनुशासन होता, विधिसूचित कर दिया जाएगा। वह नवित्रित करने के लिए आवश्यक जैक की जिम्मेदारी होगी जो देव भग्नतान के प्राप्त एवं विवेद सौन्दर्य में फैले गणकार्य थोड़े से लीन प्रश्नार में जमा कर दी गई है। आपातक को पीछे बढ़ा भवित्वित कर देना चाहिए जो देव भाग्यानी अपने अपनी आवश्यकताओं से वस्त्रावेदों की गुरुदेवी नेत्र में पहने गणकार्य लावै में अप्रत्यापन से जगा करने थीं गई हैं। यह नवित्रित करने के लिए प्राप्त आवश्यक की जिम्मेदारी होती है वह देव भग्नतान का गमन-गमन संभाली राति में द्वितीय प्रकार से लूप्त भग्ना करना थी गई है गति लो अब के दोषे परिस्थितियों के गमन-गमन मामायुक्त प्राप्तिकारियों से मारा जा सुनुपेंगे प्राप्त करते हैं। यही आपातक संभालते हो देव भग्नतान को आप को गुरुदेवी नेत्र में पहने भग्ना नहीं कर पाता तो आपे ने दिन तक पापिलाल पारदान वस्त्र कर दिया गए। जिस लेवा शीर्ष में उत्तरेन कापा लिप्तो दिया जाएगा वह “क इग्निटन पृष्ठ एक्टिवाइटी ०.१४३ लिपिन डिवाइनिट, डिग्गिटर फार गार्वात्मित एक्टिव्स्ट्राइट एक्टिव्स्ट्राइट फॉर्टीग अंड इडिटर आई एंड एंड” होगा।

4(2) उपर आवश्यक भवितव्य या तो मानवीय विवर या किसी किसी भवितव्य की विवरों में स्टेट वेब या अपार इडिया, नीम हजारों, दिनों में चालने वाली अपार वाइमो ग्रीन वेब में पोड म. 5160000000 का लक्ष्य या कुप्रीया या ऐसा पारा या ही या ऐसा भारतीय टेट वेब या उपरी विवरों वाला या जिसी ग्राहोक वेब (ज्ञाते अपार) ये विवरों द्वारा दिनहरा या दिन भारतीय स्टेट वेब की जागी दिनों-6 (जावी पारपेशी) को प्रसारित या एवं विविकर तरकार की मात्रता जूनवा स. 10.5-पार्टी दी सो (पोएट)/76, दिनांक 12-10-76 में या विवरोंवाले वर्तमान जावी होने वालिंग।

1(3) भारत सरकार विन मनालक्ष, प्राथिक कार्य विभाग द्वारा ऐसा किया जाते के लाइ लाइ दिनों के भीतर भारत में स्पष्ट वैक्ष भी उपर निर्धारित तरीके से यह अन्वितरक भवताशि में रो खर्चों के निपित खेत्रों (जो दिल सद्वायाम भारतीक कार्य विभाग) द्वारा मांगो जाता। वारान के विभिन्न लालकों वो भरने गमय आगालको/उनके बैंकर्स को इन बात को गृहनिश्चित कर रोगा जाप्ति कि गार्व अनिक सूक्ष्मा स. 103-प्राईटी गी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 के पैरा 2 में निर्धारित गूच्छ वालान के पासम शन वंदेश्वर और प्राधिकारी (यदि ओर्फ हो) के पूर्ण व्यंगरों में निरपेक्ष रूप गे निर्दिष्ट किए गए हैं। जबाबद वारान से निर्वाचित द्वारे तिराकाद रूप से प्रस्तुत करने जाहिं।

(क) दिन संवादात के प्राप्तिकार पत्र की संख्या और दिनांक ।

(ख) ये न मुझा की वह धनराशि जिसके संख्ये में प्राप्ताई गई परिवर्तन को दर रो साथ निम्नों किए जाने हैं ।

(ग) विशेषी संसरक को भुगतान करने की तिथि ।

(घ) यह किए गए दाता को राशि और अवधि जिसके लिए गिन दी गई है ।

(इ.) कुल जमा राशि ।

(उसके को यारा तारी भगवक को प्रदीपी को तारोष्य
मे और उस तारोष्य तक जित तारोष्य को समझ सकता है। लाया
ये लायो खाते मे तरप करया है, का जाएगा) ।

उक्त प्रश्नान् भी, ए. ए. एडव. डा. जारो किए गए अधिकार का संदर्भ देते हुए और बीज्ञक तथा पोन-परिवहन दस्तावेजों ने अपन करते हुए यात्रा यात्रियों साथा जमा करने का गोष्ठी देते हुए उक्त डाक डार्ग सो. ए. ए. एडव. ए. को सेवा जीवा है।

टिप्पणी- भारत में प्रायोरक के नैंह को पहले सुनिश्चित करना चाहिए कि यहाँ का तितो भारतीय वैदिक उत्तिष्ठान का प्रशंसनीय का गुरुत्व और अतिरिक्ततोंपर पौनशंकात दस्तावेज को प्राप्ति के 10 लालों के लाले विधिवाल का प्रतिशत ताता चाहिए और यह कि उक्त विधिवाल शादी को ए. प. प. प्राप्त प. वित्त ग्राहक (प्रतिशत लाले विधान) तर्फ़ियत को सूचित कर दिया जाएगा ।

(1) सारा ये मन्त्र सरकार वैक की नाइसेंग को मुक्त वित्तियत्याक्रमण गणि पर इसी नियमों को समर्पण को पृष्ठानन करना चाहिए और योग्यता एस प्राप्त भारतीय रिजिस्टर वैक, बम्बई को भेजना चाहिए।

અંક-5 - વિભિન્ન વાક્યાં

5(1) भवद्वात् सदायता के उत्तरांश करने की लिंगांश

मंजरक का का जाते थे। प्रश्नायिणों का उत्तर और भारोव का गुणित्व कर्ता के लिए आपातक का अवश्यक व्यवस्था करने होती, प्राप्ति के दैर द्वारा देय गा विषय में प्राप्ति पांच परिवहन इत्यादि प्राप्ति के लिए रात्रि तिर्यक दिव दूसरा उत्तर का आधिक या पूर्ण रूप में साक्षरता का बाण नहीं भासा जाएगा।

शाहनाम का प्रतिनियन भी इसी पर्याले लिए गए भूगतान और गेंद भूगतान के बारे में आप यह लोंगों के गाइ एक मार्तिन रिपोर्ट गढ़वाल लेखा एवं लेखा परेक्षा नियंत्रण, धार्यिक कर्तव्य विधान, विनाशकात् वृद्धिपूर्ण सम्बन्ध समझ, तथा उत्तर (यां विज्ञा) नियमण, नई इस्लाम- 110001 को भेजतां जानिए ।

5(2) आत्माका तरीकेवालों द्वारा इनको संभवको ग्रहण कराएंगा जाकिएं जो इन मनुष्यत परिकार के अन्तर्गत जात के लाते में संभव एवं प्रभावशाली हैं।

5(3) ଅନ୍ତର୍କାଳ

यह समझ लेना चाहिए कि गाहौं-यारों और संगरका के बीच कोई विवाद उठेता ना उत्तर किए भाग संगर कोई नहीं लेया। भागों द्वारा दूर कर्तव्यों द्वारा हिंप गए भूमिति से पहले संगरक द्वारा पुरों को जाने याता यारों अनुसन्धान में भूमिति को याती के अन्नरूप अर्वां तरह से स्व-उत्तर करने लाहिए। नविरा की याती में विवाद के गिरफ्तारी से अनुद्धान यथरक्षायां शामिल होती चाहिए।

5(1) भारत अनुदेश

नोवंबर 1991-92 के शिशु अनुबोधन महायोग के अन्तर्गत प्रायोगिक नायोगेम या उचां भवय में उठ थड़े होने वाले किसी मासिये या सर्वीस

भारतीयों के संबंधित या जापान से इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत भभी भारतीयों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए निवेदों या भावेशों का लाइसेंसशारी को तुरन्त पालन करना होगा।

5(5) अतिक्रम या उल्लंघन

उपर्युक्त बाब्दों में लिए गए जलों के अतिक्रमण या उल्लंघन जरूरते पर आयात-नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कारबाही हो जाएगी।

5(6) अनुबन्धों की सूची

अनुबन्ध—1 प्राधिकार पद जारी करने के लिए अनुरोध अनुबन्ध—2 प्राधिकार पद का प्रपत्र

अनुबन्ध-1

भुगतान के लाए प्राप्तकार पद जारी करने के लिए प्रार्थना पद संघर्ष।

सेवा में

सहायक सेवा, तथा सेवा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग,
“बी” विभ 5 वा तक, जनपद भवन,
जनपद, नई दिल्ली।

विषय:— जवाहरलाल नेहरू विद्यविद्यालय परियोजना के विस्तार हेतु 1991-92 के लिए 43 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारत के पत्तों पर उपस्करों के परिवहन के लिए प्रवेशित दृष्टि अवधि उपकरण और सेवाओं का आवश्यक।

महोदय,

किंतु उत्तिक्रियत अनुदान सहायता के अधीन जापान से दृष्टि अवधि उपकरणों और उनके परिवहन के लिए प्रावधानक सेवाओं के संबंध में हम संबंध जापानी संभरक के पद में बैंक भाफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पद में रहे हैं:—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या विभाग और मूल्य और अब तक पहुंच है।

(ग) अधिग्राहित के तरीके स्था यह प्रत्यक्ष खरंदा पर आवाहित है या संमित चुनी निविदा पर आवाहित है। इस मामले में भारतीयों सहित यह निर्दिष्ट करता है कि क्या निविदा का मिश्रण उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संवित विवरण।

(ङ) माल का उद्देश वेता।

(च) संविदा का कुल सागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।

(ज) यदि कोई हो तो भारतीय वयप में भारतीय एंजेंट के कमीशन की अवधारणा (येन में)।

(ज) वह कुल सागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पद की आवधारकता है।

(झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा की संध्या और विभाग जापानी संभरक का नाम और पता।

(ट) वे भुगतान और संभावित तिथि जिनके संविदाओं के अन्तर्गत देय होंगे।

(ट) माल की सुपुर्दी पूर्ण करने की प्रत्यागत तिथियां।

(झ) बैंक भाफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रत्युत्तम किए जाने वाले वसावेज (प्रत्येक सेट की मंजूरी और उनका मिट्टान दरवाजे हुए)।

(झ) पोतलदान अनुदेश (प्रत्येक या ऐर अनुमेय वाहनान्तरण/आंशिक पोतलदान निर्दिष्ट कीजिए।

(ए) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(ट) बैंक भाफ इंडिया, टोकियो के प्रधार कैल बहन करेगा।

(ब) आयातक द्वारा वक्तव्यदाता—“हम एतद्वारा वक्तव्य देते हैं कि हम विदेशी संभरक को देय घनराणि के समतुल्य रूप की पूर्ण घनराणि को संभकार द्वारा निवारित नियामिति से ओर प्रचालित दर पर सही स्थ से जमा करवा देंगे। माल (आयात समझी) के प्रत्येक परेशण की सुपुर्दी प्राप्त कर से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रियों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं, और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।

भवदार,

प्राप्तव्य-2

भुगतान के लिए प्राधिकार पद सं०

संख्या एफ

मारत सरकार

वित मंत्रालय

(प्राधिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक भाफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय: 1991-92 के लिए 45 मिलियन येन की जापानी दृष्टि-अवधि अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान में भारत के पत्तों पर दृष्टि-अवधि उपस्करों के परिवहन के लिए अपेक्षित उपकरण और सेवाओं का आयात भुगतान के लिए प्राधिकार पद जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 9-12-1991 को लंके गए मामलों की शर्तों के अनुसार आपको एवंद्वारा परिणिष्ट में विए गए यथावत्तम द्वारे के अनुसार संबंधी को अवधि के अनुदान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. छपाया भुगतान के लिए प्राधिकार पद (एपी) की पायतो के बारे में संभरकों को सूचना दे और इपको प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान संभकार आयातक बैंक, भारत के अंद्रदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठाकृत की जाएं।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पद की शर्तों के अनुसार भुगतान परिणिष्ट में यथा संकेतिक लदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करते समय (आयातक के बैंक का नाम और पता)..... मूल पोत परिवहन दस्तावेज जिसके साथ अतिरिक्त दस्तावेजों को पूरा सेट और संभरक को अदायगी के लिए नाम बीजक की प्रति जिसमें अदायगी यदि कोई हो भेजी जानी चाहिए।

5. आयातक द्वारा आपको वस्तावेज संभरकों एवं बैंकरों के प्रभार को भेजते प्राप्ति के लिए आड़े महिन अवाक जिसे जाने वाले बैंकिंग आड़े अदायातक के बैंक के द्वारा भी एही निर्धारित किए जाएंगे।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेजों आवि के प्राप्तात पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपद में इस मंत्रालय की ओर आयातक को भेजी जानी चाहिए।

7. इस मंत्रालय की विवेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

8. यह भुगतान प्राधिकार पत्र..... तक वैध रहेगा।

9. इस प्रधिकार पत्र के शोर्पे पर विधा गया है इसे संविदा से संबंधित भारी पकाकार में और बीजक में अदायगी वर्णने हुए भी इसे लिखा जाए।

भवदोष,

(नेत्रा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:—

1. आयातक..... को उसके पत्र सं..... दिनांक के..... के सम्बर्थ में।

उनसे अनुरोध है कि ने बैंकरों से विनियम वस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित वर पर और तरीके से अपने बैंकरों के भाष्यम से रुपया निषेप आदि जमा करने का प्रबन्ध करें। यदि विवेष परिस्थितियों के कारण साल की डिलीवरी संबंधी सी सौमान्यक और पतन अधिकारियों से मूल प्रीत लदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर सी गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निषेप किए जाने चाहिए। विवेशी राज्यों द्वारा भी गई सेवाओं के लिए भुगतान के भास्तु में जैसे ही समझ बीजक भुगतान के लिए अनुमति ही जाए, निषेप कर लिए जाए। निषेप जारी हो और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथाउलिंगित आवश्यक कार्यवाही को जा सकती है।

2. आयातक के बैंकर.....।

(1) यह प्राधिकार पत्र में फ्रेट के अन्तर्भूत आयातों को शामिल करने वाला संविधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संविधित सार्वजनिक सूचनाओं को देखे और आयातकिंवद्वा भुगतान करते समय उचित कार्यवाही करें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक और इंडिया, टॉकियो द्वारा से वस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को ये ने भुगतान के बराबर रुपए जमा करने की अवधारणा करें। संभरकों की जुकाई गई अंतरालिंग के बराबर रुपए को गणना संवेजनिक सूचना सं..... 8-प्राइटी टो सो (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 और 113-प्राइटी टो सो (पी एन)/88-89, दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना को समय समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों की भुगतान करने की तिथि को यथा प्रविधित परिवर्तन को निपत्रित वर पर कर जाएंगे। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और उसमें अधिक अंतरिक्ष के लिए 18% वार्षिक दर से द्व्याज जो कि संभरक की भुगतान का तारीख बींक और इंडिया को प्रतिपूर्ति की जारी और जिस तारीख वो समतुल्य रूपों भारा प्रसार के लिए में जमा किया जाए उन दो

अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं..... 31-प्राइटी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 और सार्वजनिक सूचना सं..... 35-प्राइटी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार भारत सरकार द्वारे में जमा कराना है। द्व्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसकी विवेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह भी नारोब्र जिसकी भारत सरकार के लिए में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा। 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं..... 230-प्राइटी सी (पी एन)/85-88 की शतानुसार आयातक द्वारा निषेप किए जाने वाले रुपये की गणना निकटतम रुपए के गुणक में की जाती चाहिए। यह सुनिष्चित कर लेना चाहिए कि आयातक की सांभारिक निकासों के लिए आयात वस्तावेजों का मूल मट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

(3) वेधनगणियां जो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तोस हजारों में जालान के दाहिनी ओर कोड सं..... 5130000009 दर्शते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं..... 103-प्राइटी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्राप्तातानों की ओर रिकाया जाता है। वह नेत्रा शोर्पे जिसमें रुपया जमा कराना है के डि डिपोजिट्स एण्ड एडवालिज 8443-गिविल डिपोजिट्स, डिपोजिट्स नोट बेयरिंग इन्ड्रेस-डिविजिट्स फार परवेज एमसेट्रा अबरोड, परवेजिज अण्डर ग्रांट एड काम वि गवर्नेंट ऑफ जापान फार अण्डर इटेलंड हैब 45 मिमियन येन ग्रांट एड कार परवेज ऑफ इक्विपमेंट्स एण्ड सर्विजिं हांगा।

(4) जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक, बैंक और इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तोस हजारों विनंती में सार्वजनिक सूचना सं..... 132-प्राइटी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में जालान की मूल रुप में एक प्रतिलिपि उनके द्वारा जमा कराने वाले निषेप करने के लिए अनुमति द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक ऑफ इंडिया, टॉकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अप्रेषण पत्र होना चाहिए:—

सहायता नेत्रा तथा लेखा परिका नियंत्रक,
विन मंत्रालय, (आयिक कार्य विभाग),
इंडियन ऑफल बैंक, जां तल (वी० विग),
जनपद, नई दिल्ली-110001

(5) जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊर मनोति सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उलिंगित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएँ उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रुपये चुकाये गए द्व्याज को राशि और वह अंतरिक्ष जिसके लिए द्व्याज गिना गया है, का पूरा राशि इस विभाग को भेजनी चाहिए।

(6) बांध के बैंक प्रभार और विदेशी संभरकों के बैंकरों के प्रभार, यदि कोई हो, तो वे भारतीय बैंक और बैंक ऑफ इंडिया, टॉकियो के बीच संबंध तय किए जाने चाहिए।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राप्तिहत बौद्ध के रूप में बैंक के कर्तव्य एवं जिमेदारियों का भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परियों में विनियित किया गया है। इस मध्य में 18-6-1977 के ए०८०० परियों सं..... 23 की ओर विवेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

3. भारतीय द्वावाम, टॉकियो।

4. अपर संवित, जापान अनुभाग, विन मंत्रालय, आयिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को आई०ही० मं..... दिनांक के मंदरम में।

(तोका अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE
(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE : NO. 220[ITC(PN)]90—93

New Delhi, the 13th March, 1992

Subject—Licensing conditions for import of Audio-Visual equipment for J.N.U. and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 million (Yen 45,000,000) regarding.

F. No. IPC[23(88)]90-93.—The terms and conditions governing import of Audio-Visual equipment for J.N.U. and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 Million, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports and Exports.

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE

Public Notice No. 280[ITC(PN)]90—93, dated 13-3-92

Licensing conditions for import of Audio-Visual equipment for J.N.U. and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1991-92 of 45 Yen Million (Yen 45,000,000).

Section I General Conditions

I (i) The Japanese Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 million is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of Audio Visual equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the J.N.U.

I (ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 49.5 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 45 million Japanese Grant Aid for 1991-92". The licence code for the first and second suffix will be "SJN". But no import licence is required for items covered under O.G.L.

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agent in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefor, be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid 31-3-92

I (v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto.

(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows—

"delivery to be completed by 15-3-92".

I (vii) The contract value (FOB or C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II The following provision should be specifically incorporated in the supply contract.

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 9th December, 1991 between the Governments of India and Japan concerning the Grant-Aid of Yen 45 million for (1991-92) and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an "Authorisation to Pay" (AP) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1991-92.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III Contract Approval by Governments of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (Jap.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block, New Delhi 6 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of AP" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts in is price.

III (ii) The Ministry of Finance (DFA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, B-Wing, Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (AP) to the Bank of India, Tokyo in the form of Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the AP will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, Importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to pay (AP) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in

the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit.

IV (i) The Original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit is made into Government account vide public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-3-1974 as modified under Public Notice No. N.I.103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76. In terms of Public Notice No. 230-17-ITC(PN)/85-88 dt. 20-7-87, the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&F Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&F or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is 'K-deposits and Advances 8443-Civil Deposits not bearing interest, deposits for purchases etc. abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan for 1991-92 Grant for purchase of audio-visual equipment service is necessary to the Transportation thereof to ports of India by J.N.U.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 512000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India, or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks Drawer drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (Drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in public Notice No. 103-IAC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account

of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importer/banker that the information prescribed in Public Notice (No. 103-IAC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challan i.e. -

- Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date
- Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the Japanese supplier.
- The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- Total amount deposited. (Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DIA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping documents etc. by the importers. Bankers will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhawan, 8th Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V (iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1991-92 from Japan.

V(v) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V List of Annexures :

Annexure I :—Request for issue of A/P

Annexure II:—Form of A/P.

ANNEXURE-I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

To

The Controller of Aid Accounts and Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
'B' Wing, Vth Floor,
Janpath Bhavan, Janpath,
New Delhi.

Subject :—Import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 45 million for 1991-92 for the Extension of J.N.U. Project.

Sir,

In connection with the import of audio-visual equipment and services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the B.O.I., Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, Date and value of the import license and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in yen), if any, payable in Indian Rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.
- (p) Who will bear the banking charges of the B.O.I., Tokyo-importer or supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the importer :—
We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made,

to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers.

Yours faithfully,

ANNEXURE-II

Authorisation to pay No.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject :—Import of audio-visual equipment & services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant-Aid of Yen 45 million, for 1991-92 Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 9th December, 1991 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen to M/s.

as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix.

4. On making payments to the foreign suppliers, you should send to _____ to _____ (Name an address of importers' Banker) the original shipping documents (negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any).

5. Banking charges including charges for handling document and charges of overseas suppliers, Bankers if any, payable to you by the importers, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, and advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

Accounts Officer

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No.
dated

They are requested to arrange to deposit through their bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port Authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker

(i) This authorisation to pay is issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected public notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese supplier on receipt of the document from the Bank of India Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76, dated 17-1-76, and 113-ITC(PN)/88-89, dated 6-4-89 original such other Public Notices as may be issued from time to time interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalent are deposited into the Government account. is required to be deposited into the Government of India's account in terms of public notices No. 31-ITC(PN)/83, dated 10-8-83 and No. 35/ITC(PN)/83, dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)/85-88 dated 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the SBI of its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 103-ITC(PN)/76, dated 12-10-1976. The head of account to be credited is K-Deposits and Advances-8443-Civil Deposits, Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad-purchases under grant aid from Government of Japan for 1981-92 under detailed head "Yen 45 million grant aid for purchases of equipment/services by

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Dept. of Economic Affairs), Janpath Bhavan, Vth Floor, (B-Wing), Janpath, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in foreign exchange are prescribed in various A.D. circulars of the R.B.I. specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22, dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. dated

Accounts Officer

